

ERECTLY : prob. उन्नतकायेन or उन्नतो (f. ता) भूत्वा.
ERECTNESS : उन्नतता, -त्वम् : v. Erect.

EREWILE : किञ्चित्पूर्वम् : v. Sometime, before.

EREMITE : अरण्यवासी, Vi. ; (2) आरण्यकः, Vi. : v. Hermit.

ERMINE : I. An animal : नकुलजातीयजन्तुविशेषः.
II. Its fur : *ऊर्मिणलोमन् (n.). III. The

dignity of judges : ऊर्मिणलोमधराः (m. pl.).

EROTIC : v. Amatory.

ERR (v.) : (1) भ्रमति, वि-, (भ्रम्, c. 1.), *that you may not e. again* : मा भूयो विभ्रमेरिति, Mah. ; (2) पथः or मार्गात् च्यवते (च्यु, c. 1.) or भ्रश्यति, -ते (भ्रश्, c. 4.) (=to wander from the right way), Ki. ; (3) उत्पथेन or उन्मार्गेण गच्छति (गम्, c. 1.) or धावति (धाव्, c. 1.) (in moral sense), U.

ERRAND : सन्देशः : v. Message.

ERRANT : I. Wandering : q.v. : परिभ्रमिन् (f. णी). II. Wild : q.v. : उद्वृत्तः (ता, तं).

ERRING (adj.) : (1) भ्रान्तः (न्ता, न्तं), e. -minded : भ्रान्तबुद्धि (mf.), M. n. ; (2) व्यभिचारिन् (f. णी), un-e. knowledge : ज्ञानमव्यभिचारि, N. d.

ERRONEOUS : (1) भ्रममूलकः (का, कं), *this reading is e.* : इति पाठस्तु भ्रममूलकः, Va. com. ; (2) प्रामादिकः (की, कं), e. interchange of things : प्रामादिको वस्तुपरिवृत्तिः, M. n. ; (3) मिथ्या (=false) in comp., an e. inference : मिथ्यानुमानम्, N. d.

ERRONEOUSLY : (1) भ्रमात् ; (2) प्रमादेन ; (3) भ्रान्तिः, Go. ; (4) मिथ्या (=falsely : q.v.).

ERRONEOUSNESS : (1) भ्रममूलत्वम् ; (2) प्रामादिकत्वम् : v. Falsity.

ERROR : I. A mistake : q.v. : भ्रमः. II. An inaccuracy : अशुद्धम्. III. Deviation : उन्मार्गगमनम्. IV. Fault, sin. : q.v.

ERST : पुरा : v. Formerly.

ERUCT, ERUCTION : v. Belch, belching.

ERUDITE : I. As applied to men : पण्डितः (ता, तं) : v. Learned. II. As applied to any science, etc. : v. Abstruse, profound.

ERUDITION : (1) पाण्डित्यम् ; (2) वैदुष्यम् (rare).

ERUPTION : I. A bursting forth : (1) निःसरणम् ; (2) निर्गमः. II. Of the skin : *what are these e.s.* :

*किं निर्गतमङ्गे : v. Pimple, itch,

ERUPTIVE : expr. by verb : निर्गच्छति (गम्, c. 1.) or निःसरति (सु, c. 1.).

ERYSIPELAS : (1) उदरः ; (2) दद्रुः.

ESCALADE : I. Subs. : prob. अवस्कन्दः, -नम्. II.

Verb : अवस्कन्दति (स्कन्द्, c. 1.) (?) ; लङ्घयति (लङ्, c. 10.) (=to scale).

ESCAPADE : स्वलितम्, K.

ESCAPE (v.t.) : I. To get out of : (1) मुच्यते, वि, परि-, (pass. of मुच्) (with abl.), *who e. s the great snare* : यो महापाशादिमुक्तः, V. c. ; (2) तरति, उत्- निर-, सम-, अभि, (तृ, c. 1.) (=to cross, overcome), *without e. ing an accusation* : अभियोगमनिस्तीर्य, Y. ; *to e. death* : मृत्युं तरति, Vi. II. To avoid : q.v. : परिहरति (हृ, c. 1.), *infamy has been e. d* : परिहृतमयशः, Mu. III. Of observation, etc. : *e. d the notice of the guards* : न लक्षितो रक्षिमटैः, N. ; *it e. d his notice* : स एतन्नालक्षयत् (लच्, c. 10.).

ESCAPE (v.i.) : i.e. to flee : (1) अप-क्रामति or क्राम्यति, निर-, समप-, (क्रम्, c. 1. and 4.), *why was he allowed to e.* : स कस्मादपक्रामन्नुपेक्षितः, Mu. iii. ; (2) अप-सरति, निर-, (सु, c. 1.) ; (3) अपसर्पति, (सप्, c. 1.) ; (4) निर-गच्छति (गम्, c. 1.). *To e. from* : v. Escape (v.t.).

ESCAPE (subs.) : I. E. ing from : (1) निस्तारः, I *see no e.* : निस्तारं न पश्यामि ; (2) by verb, *it was a narrow e.* : कथं कथमपि तस्मादिमुक्तः. II. Fleeing : (1) निष्क्रमः ; (2) अपसर्पणम्.

ESCARPMENT : [पर्वतस्थ] पातुकपार्श्वः (?).

ESCHEAT (v.i.) : I. To the crown : (1) राजस्वताम् आपद्यते (पद्, c. 4.), Sa. vi. ; (2) राजसात् गच्छति (गम्, c. 1.), *all these accumulated silver, base metal, etc. e. d to the crown* : सञ्चितं रौप्यकुप्यादि सर्वं तद्राजसादगात्, Raj. II. To a lord : by ana : स्वामिसात् गच्छति.

ESCHEAT (subs.) : expr. by circumlo. : v. To escheat.

ESCHEW : वर्जयति (वृज्, c. 10.) : v. To avoid.

ESCORT (subs.) : (1) expr. by circumlo. *attended by a large e.* : महता बलेन रक्षितः (ता, तं) ; (2) रक्षाधिकृतपुरुषः ; (3) परिचरः : v. Retinue, guard.

ESCORT (v.) : अनुगच्छति (गम्, c. 1.), I myself